आर.एन.आई. पंजीयन क्र. 39596/82 (डाक पंजीयन MP/IDC/1462/2016-2019)

साप्ताहिक

मालव अँचल

वर्ष 47 अंक 36 (प्रति रविवार) इंदौर, 26 मई से 01 जुन 2024 पृष्ठ-8 मूल्य 3 रुपये

सरकार का सबसे अधिक फोकस रोजगार के अवसर बढ़ाने पर

बजट को अंतिम रूप देने में जुटे अधिकारी

भोपाल। *मप्र की 16वीं विधानसभा का मानसून सत्र जुलाई के पहले सप्ताह में शुरू हो सकता है। इसको देखते हुए अधिकारियों ने बजट बनाने की तैयारियां शुरू कर दी है। राज्य सरकार मप्र में रोजगार के अवसर बढ़ाने के लिए एक ओर जहां औद्योगिक विकास पर जोर दे रही है, वहीं पूंजीगत व्यय को भी और बढ़ाने की कार्ययोजना पर काम कर रही है। आगामी बजट में पूंजीगत व्यय के लिए प्रविधान 63 हजार करोड़ रुपये से अधिक करना प्रस्तावित है। इसका लाभ यह होगा कि केंद्र सरकार से विशेष पूंजीगत सहायता अधिक प्राप्त होगी।*

गौरतलब है कि अधोसंरचना विकास और रोजगार के लिए पूंजीगत व्यय 2023-24 में 56 हजार 500 करोड़ रुपये किया गया था, जिसे अब 63 हजार करोड़ रुपये से अधिक ले जाने की तैयारी है। इसमें औद्योगिक विकास केंद्रों का विकास, सडक़, पुल-पुलिया, सीएम राइज स्कूल, सिंचाई परियोजना सहित अन्य निर्माण के कार्यों को प्राथमिकता दी जाएगी। इससे रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे। मु यमंत्री डा. मोहन यादव द्वारा बजट की तैयारियों को लेकर वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक में निर्देश देने के बाद विभाग कार्ययोजना बनाने में जुट गए हैं। प्रदेश में रोजगार को बढ़ावा देने के लिए सरकार अधोसंरचना विकास पर विशेष ध्यान दे रही है। इसके तहत रोड नेटवर्क का विकास किया जा रहा है। एक्सप्रेस वे बनाए जा रहे हैं ताकि औद्योगिक गतिविधि, पर्यटन, रोजगार स्वरोजगार को बढ़ावा मिले। औद्योगिक विकास केंद्रों में अधोसंरचना का विकास किया जा रहा है तो नए क्षेत्र भी विकसित किए जा रहे हैं। कोरोना महामारी के समय केंद्र सरकार से पूंजीगत कार्यों को बढ़ावा देने के लिए कई प्रविधान किए। ऋण लेने की सीमा में भी वृद्धि कुछ शर्तों के साथ दी गई थी। पिछले वित्तीय वर्ष 2023-24 में पूंजीगत व्यय में रिकार्ड 15 प्रतिशत की वृद्धि करके 56 हजार 256 करोड़ रुपये का प्रविधान किया गया। सूत्रों का कहना है कि वर्ष 2024-25 में इसे बढ़ाकर 63 हजार करोड़ रुपये से अधिक किया जा सकता है। इसके लिए विभागों को प्रस्ताव तैयार करने के लिए कहा गया है ताकि उन्हें बजट में शामिल किया जा सके। सरकार को जोर युवा शक्ति का उपयोग प्रदेश के सर्वांगीण विकास में करने पर है। मु यमंत्री कौशल उन्नयन योजना, संत रविदास स्वरोजगार योजना, रोजगार दिवस के माध्यम से केंद्र और राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं के माध्यम से बैंक ऋण स्वीकृत कराने, ब्याज अनुदान देने का प्रावधान किया है। चार नए ग्लोबल स्किल पार्क स्थापित किए जा रहे हैं। यूचर जाब स्किल पाठ्यक्रम प्रारंभ करने के लिए जबलपुर, उज्जैन, भोपाल का चयन किया गया है। स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय या अंतरराष्ट्रीय स्तर की कार्यशाला में भाग लेने पर सरकार द्वारा प्रोत्साहन राशि दी जाएगी।

अधोसंरचना विकास के कामों को गति-वित्त विभाग के अधिकारियों का कहना है कि सरकार स्थानीय स्तर पर रोजगार के अधिक से अधिक अवसर सृजित करने के लिए निवेश को बढ़ावा देने पर कार्ययोजना बनाकर काम कर रही है।

अग्निवीर योजना देश की सुरक्षा के लिए खतरा और युवाओं के साथ खिलवाड़ -खरगे

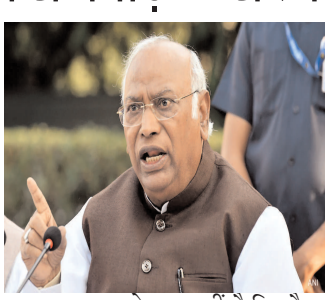

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस ने मंगलवार को दावा किया कि सेना में भर्ती की अग्निपथ योजना राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा है। पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने एक खबर का हवाला देते हुए सवाल भी किया कि क्या ये सच नहीं है कि अग्निपथ योजना के तहत भर्ती की संख्या को 75,000 प्रति वर्ष से घटाकर 46,000 प्रति वर्ष कर दिया गया है?

खरगे ने एक्स पर पोस्ट किया, मोदी सरकार द्वारा अग्निवीर (अग्निपथ) योजना थोपने से भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा से खिलवाड़ हुआ है। उन्होंने सवाल किया, क्या ये सच नहीं है कि अग्निपथ ने भर्ती की संख्या को 75,000 प्रति वर्ष से घटाकर 46,000 प्रति वर्ष कर दिया है? क्या ये सच नहीं है कि देश के रक्षा मंत्री को बार-बार दोहराना पड़ रहा है कि वे अग्निवीर योजना पर पुनर्विचार करेंगे, बदलाव करेंगे, सुधार करेंगे?

क्या ये सच नहीं है कि सैन्य मामलों का विभाग (डीएमए) व सेना नए सैनिकों की भर्ती में लगातार हो रही कमी से चिंतित है जो इस दशक के अंत तक सबसे ऊँचे स्तर पर पहुंचने वाली है? कांग्रेस अध्यक्ष ने दावा किया, एक तरफ़ देश की सीमाओं पर चीनी घुसपैठ, क़ब्ज़ा और अतिक्रमण हो रहा है, जिससे निपटने के लिए अधिक सैन्य बल चाहिए, दूसरी ओर मोदी सरकार ने अग्निवीर से हमारे देशभक्त युवाओं का जीवन तबाह करने का काम किया है। उन्होंने कहा, कांग्रेस की गारंटी है - हम अग्निवीर योजना रद्द करेंगे। तभी हमारे देशभक्त युवाओं को न्याय मिलेगा।

10 साल में बीजेपी बन गई सबसे अमीर पार्टी कांग्रेस 55 साल में नहीं बन पाई-प्रियंका

नई दिल्ली । कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने चुनावी सभा में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर तीखा हमला किया, पार्टी के धन के तेजी से संचय पर सवाल उठाकर मतदाताओं से राजनीतिक दलों की ईमानदारी पर विचार करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस 55 वर्षों तक सत्ता में रही, लेकिन फिर भी वह दुनिया की सबसे अमीर पार्टी नहीं बन सकी। महज 10 साल में बीजेपी दुनिया की सबसे अमीर पार्टी बन गई है। यह कैसे हो गया? इतना सारा पैसा कहां से आया? यह किसका पैसा है? प्रियंका की ये टिप्पणी हिमाचल प्रदेश में तीव्र प्रचार अभियान के बीच आई है, जहां मतदाता महत्वपूर्ण मतदान के लिए तैयारी कर रहे हैं। प्रियंका गांधी वाड्रा ने हालिया रिपोर्ट पर दावा कर कहा कि भाजपा ने हाल के वर्षों में 60,000 करोड़ रुपये खर्च किए हैं, जिससे इस फंडिंग के स्रोतों पर संदेह पैदा हो गया है। उन्होंने कहा कि वे कांग्रेस को भ्रष्ट कहते हैं। वे भगवान के नाम पर वोट मांगते हैं। कौन सा भगवान बताएगा कि किसे वोट देना है? प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा, बीजेपी की प्रचार रणनीति को चुनौती दी और पारदर्शिता की मांग की। उन्होंने कहा कि सभी देवताओं, संतों और महान हस्तियों ने केवल एक ही बात कही है, सत्य के मार्ग पर चलें।

8 लोगों की हत्या कर युवक ने फांसी लगाई

छिंदवाड़ा (एजेंसी)। छिंदवाड़ा में एक आदिवासी युवक ने परिवार के 8 लोगों की हत्या कर फांसी लगा ली। आरोपी ने सबसे पहले अपनी पत्नी को कुल्हाड़ी से काटा, फिर मां-बहन, भाई-भाभी और दो भतीजियों-भतीजे को मार डाला। ताऊ के घर जाकर 10 साल के बच्चे पर भी हमला किया। उसका जबड़ा कट गया। वह जान बचाकर भाग गया। इसके बाद लोगों ने पुलिस को सूचना दी।

घटना तामिया तहसील में थाना माहुलझिर के बोदल कछार गांव की है। मंगलवार-बुधवार की रात 2.30 बजे आरोपी दिनेश उर्फ भूरा ने पत्नी (23), मां (55), बड़े भाई (35), भाभी (30), बहन (16), भतीजा (5), दो भतीजी (4 और डेढ़ साल) को मार डाला। परिवार के पास 4 एकड़ खेती थी। घटना के बाद से गांव के लोगों में डर बना हुआ है। गांव में पुलिस बल तैनात है। युवक ने परिवार की हत्या क्यों की, फिर खुदकुशी क्यों की, यह अभी सामने नहीं आ पाया है। एसपी का कहना है कि घटना की विस्तृत जांच की जा रही है। कांग्रेस का आरोप है कि परिवार बेरोजगारी और गरीबी से तनाव में था।

युवक ने इनकी हत्या -वर्षा बाई (23), आरोपी की पत्नी सियाबाई सुइयाम (55), मां पार्वती सुइयाम (16), बहन श्रवण (35) पिता विश्राम सुइयाम, भाई बारातो बाई (30), भाभी कृष्ण सुइयाम (5), भतीजा सेवंती सुइयाम (4), भतीजी दीपा सुइयाम (डेढ़ साल), भतीजी हमले में घायल इशू (10) पिता आफलिया सुइयाम, आरोपी के बड़े पिता के बेटे का बेटा है। उसे इलाज के लिए नागपुर रेफर किया गया है।

संपादकीय

भारत ईरान का बंदरगाह समझौता और तृतीय विश्व युद्ध की आशंका

ईरान के राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी की मौत हवाई दुर्घटना में हो गई है। उनका हेलीकॉप्टर क्रैश हुआ। 17 घंटे के बाद हेलीकॉप्टर का मलमा मिला। राष्ट्रपति इब्राहिम, विदेश मंत्री हुसैन, पूर्वी अजरबेजान प्रांत के गवर्नर और अंगरक्षक हेलीकॉप्टर पर सवार थे। दुर्घटना के लगभग 20 घंटे के बाद ईरान सरकार की ओर से आधिकारिक तौर पर ईरान के राष्ट्रपति और उनके साथ जो लोग सवार थे, उनकी मौत की पुष्टि की है। ईरान के राष्ट्रपति अमेरिका में बने बेल 212 हेलीकॉप्टर में यात्रा कर रहे थे। हेलीकॉप्टर को खोजने में लगभग 17 घंटे का समय लगा। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार घने कोहरे के कारण शायद आपातकालीन लैंडिंग के दौरान हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हुआ है। ड्रोन फुटेज में जंगल में आग जलती हुई नजर आई। उसके बाद हेलीकॉप्टर मिला जो पूरी तरह से तबाह हो चुका था। यह दुर्घटना ऐसे समय पर हुई है जब ईरान के राष्ट्रपति रईसी और सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के नेतृत्व में पिछले महीने ही ईरान ने जबरदस्त ड्रोन और मिसाइल से इजराइल पर हमला किया था। कुछ दिन पहले भारत और ईरान के बीच चाबहार बंदरगाह को लेकर एक समझौता हुआ था। इस समझौते के अनुसार ईरान के चाबहार बंदरगाह का स्वामित्व एवं संचालन का अनुबंध भारत की कंपनी के साथ किया गया था। ईरान के ऊपर अमेरिका ने कई वर्ष पहले से प्रतिबंध लगा रखे थे। इस समझौते के बाद भारत का खाडी के देशों और रूस के बीच समुद्री परिवहन निर्वाध रूप से होने लगता। इसका लाभ ईरान को भी मिलता। अमेरिका के लिए यह सबसे बड़ा धक्का था। इस समझौते के बाद ही आशंका व्यक्त की जा रही थी की विश्व स्तर पर अब कुछ ना कुछ बड़ा घटने जा रहा है। समझौते के ठीक एक सप्ताह के अंदर ईरान के राष्ट्रपति और विदेश मंत्री का हवाई दुर्घटना में मौत हो जाना सामान्य दुर्घटना नहीं माना जा सकता है। इसके पीछे साजशि की आशंका बताई जा रही है। रूस और यूक्रेन के बीच लंबे समय से युद्ध चल रहा है। नाटो देश और अमेरिका यूक्रेन का साथ दे रहा है। इसी बीच इजराइल और हमास के बीच युद्ध शुरू हो गया। अमेरिका, इजराइल को लड़ाई में हर संभव समर्थन दे रहा है। ईरान का जब इजराइल पर हमला हुआ, उसके बाद से स्थिति विस्फोटक होती जा रही थी। इजराइल से ईरान के ऊपर कोई बड़े हमले की आशंका बनी हुई थी। ईरान के राष्ट्रपति ने पिछले महीने पाकिस्तान का दौरा किया था। वहां से लौटने के बाद भारत के साथ बंदरगाह और रोड बनाने का समझौता ईरान ने किया। इस समझौते ने आग में घी डालने का काम किया। वैश्विक स्तर पर रूस और चीन, अमेरिका के मुकाबले में एक साथ खड़े हुए हैं। उत्तर कोरिया भी इसमें शामिल है। अमेरिका भारत और पाकिस्तान में से किसी एक को अपनी ओर खड़ा करना चाहता है। अमेरिका का समर्थन भारत वैसा नहीं कर रहा है, जैसा अमेरिका चाहता है। जिसके कारण अमेरिका, पाकिस्तान के साथ अपने रिश्तों को मजबूत कर रहा है। आर्थिक रूप से पाकिस्तान की हालत बहुत खराब है। अमेरिका के लिए पाकिस्तान सॉफ्ट टारगेट है। इजराइल में प्रधानमंत्री नेतन्याहू के खिलाफ उनकी कैबिनेट के मंत्रियों ने विद्रोह कर दिया है। गाजा के साथ युद्ध को लेकर कैबिनेट मंत्रियों ने नेतन्याहू को इस्तीफा देने की चेतावनी दे दी है। रूस और चीन मिलकर अमेरिका के वर्चस्व को चुनौती दे रहे हैं। रूस-यूक्रेन युद्ध के बीच 2 साल से ज्यादा समय से युद्ध चल रहा है। रूस के ऊपर जो अमेरिकी प्रतिबंध लगाए थे। इसका असर रूस और ईरान पर नहीं हुआ। रूस और चीन के मित्र देश एक नया वैश्विक समीकरण तैयार कर चुके हैं। उत्तर कोरिया आणविक हथियारों के साथ रूस और चीन के साथ सहयोग कर रहा है। वर्तमान स्थिति में भारत की विदेश नीति और कूटनीति दोनों ही बड़ी खराब स्थिति में पहुंच गए हैं। मोदी सरकार ने आर्थिक लाभ को देखते हुए, सामरिक स्थिति पर ध्यान नहीं दिया। रूस से सस्ते में कच्चा तेल लिया। अमेरिकी प्रतिबंधों के बाद भी ईरान के साथ व्यापार जारी रखा। चीन के साथ भारत के व्यापारिक रिश्ते चरम सीमा पर हैं।

झूठे वायदों एवं वादों से चुनाव को बचाना होगा

ललित गर्ग

लोकसभा चुनाव के चार चरण पूरे हो गये हैं, पांचवें चरण की ओर बढ़ते हुए चुनावी सरगर्मी बढ़ रही है। तमाम राजनीतिक दलों में वास्तविकता से दूर झूठे, तथ्य-आधारहीन, भ्रामक एवं बेबुनियाद वादे करने की आपसी होड़ बढ़ती जा रही है। राजनीतिक दल चार चरणों के बाद जिस तरह के जीत के तथ्य प्रस्तुत कर रहे हैं, वह हास्यास्पद एवं अविश्वसनीय है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने दावा किया कि लोकसभा चुनाव के 4 चरण पूरा होने के बाद विपक्षी 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' यानी इंडिया गठबंधन मजबूत स्थिति में है और चार जून के बाद सरकार बनाएगा। इसी तरह ममता बनर्जी, अरविन्द केजरीवाल एवं अखिलेश यादव ने भारतीय जनता पार्टी की करारी हार की बात कही है। वर्ष 2019 के चुनाव के दौर भी इन नेताओं ने ऐसे ही बयान दिये थे, जो चुनाव परिणाम के बाद झूठे साबित हुए। इस तरह के अतिश्योक्तिपूर्ण, आधे-अधूरे, सत्यता से परे के बयानों से राजनीतिक दलों की विश्वसनीयता अपने निचले पायदान पर पहुंच चुकी है और तेज़ी से घट रही है। जिस प्रकार विभिन्न दलों के नेताओं की भाषा, बयान एवं लोकलुभावन वायदे निम्न स्तर पर पहुंच रहे है, उसे देखकर कहा जा सकता है कि हमारे लोकतंत्र का स्वास्थ्य कहीं-ना-कहीं खराब जरूर हो रहा है।

आम आदमी पार्टी (आप) के वादे और उनके काम के बीच फ़ासला लगातार बढ़ता रहा है, देश की भोली भाली जनता को आपका बेटा, आपकी बेटी कहकर सहानुभूति पाने की उसकी कुचेष्ठाओं का पर्दापाश पहले ही हो गया है। 'आप' ने अपने कामकाज के तरीक़े में पूरी पारदर्शिता का वादा किया था, लेकिन लोकसभा के लिए उम्मीदवारों के चयन में इसका ख्याल नहीं रखा गया है। हाल ही में पंजाब की चुनावी सभाओं में पार्टी नेता अरविन्द केजरीवाल ने बृजभूषण पर तो गंभीर आरोप लगाते हुए भाजपा को दागगार घोषित किया लेकिन वे अपने ही मुख्यमंत्री निवास पर राज्यसभा सांसद एवं पूर्व दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष स्वाती मालीमाल के साथ हुई मारपीट एवं अशिष्टता को भूल गये। निश्चित ही आप की कथनी और करनी में गहरा फासला है। इन्हीं केजरीवाल ने जनता को गुमराह करने एवं ठगने के लिये पिछले गुजरात के विधानसभा चुनाव में प्रचार के दौरान एक सादे कागज पर अपने हस्ताक्षर करते हुए गुजरात में आप की सरकार बनने का दावा किया, जबकि उन चुनावों में आप के 4-5 सीटों पर जीत के अलावा सभी सीटों पर आप उम्मीदवारों की जमानत जब्त हो गयी थी। एक बार फिर इन लोकसभा चुनावों में वे ऐसा ही करते हुए झूठे दावे कर रहे हैं। इससे आप पार्टी की विश्वसनीयता एवं पारदर्शिता के दावों पर सवालिया निशान लग रहे हैं।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने हाल ही में दावा किया है कि उनकी पार्टी 2009 के आम चुनाव से बेहतर प्रदर्शन करेगी। यह दावा वास्तविकता से कोसों दूर है और राजनीतिक हलकों में उपहास का विषय बन गया है। जब कांग्रेस ने इन चुनावों में कोई लक्ष्य ही तय नहीं किया है तो कौन से लक्ष्य को पाने एवं जीत की बात कांग्रेस कर रही है? जैसे भाजपा ने 400 पार का लक्ष्य बनाया है, क्या कांग्रेस का ऐसा कोई लक्ष्य है? पार्टी के कार्यकर्ता बिना लक्ष्य के किसे अपना मिशन बनाये? कांग्रेस का एक दावा ये भी है कि वो लोकसभा में साफ सुथरी छवि वाले उम्मीदवारों को उतार रही है लेकिन वास्तविकता इसके उलट है। कई उम्मीदवारों को भ्रष्टाचार के उन आरोपों के बाद भी टिकट दिए गए हैं जिसकी जांच सीबीआई कर रही है। हाल के दिनों में, प्रत्येक राजनीतिक दल के घोषणापत्र में वादों की लंबी चौड़ी फेहरिस्त सामने आयी है। जबकि अतीत में किए उनके काम बताते हैं कि सत्ता में आने के बाद वे अपने घोषणा पत्र के कुछ ही हिस्सों को लागू कर पाते हैं। जो सत्ता में नहीं आ पाते वो अपने घोषणापत्र को कूड़े के डब्बे में डाल देते हैं। विडम्बना तो यह भी है कि जिन दलों को चुनाव जीतने की आशा नहीं है, वे बेतूके वायदे एवं घोषणाएं करके आम मतदाता को भ्रमित करते हैं। शुरुआत से ही राजनीतिक दल वादे इसलिए करते हैं कि लोग उन्हें सत्ता की चाभी सौंपें। लेकिन चुनावी मौसम में राजनीतिक दल और राजनेता अपने अपने कामों के बारे में बढ़ चढ़कर दावे करते हैं और उन्हें भरोसा रहता है कि मासूम और भोली जनता उनके दावों पर यकीन कर लेगी, इसलिए वे लुभावने वादों की झड़ी लगा देते हैं। कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने उत्तरप्रदेश की एक सभा में चार चरण पूरे होने के बाद भाजपा के 5 किलो मुफ्त अनाज की जगह 10 किलो मुफ्त अनाज की घोषणा कर है। बेवक्त पर की गयी यह घोषणा भी पार्टी की अपरिपक्वता को उजागर कर रही है। हालांकि ऐसे वादे हमेशा खाली जाते हैं या अधूरे रहते हैं। वादे करने का मतलब उसे पूरा करना ही नहीं होता। अतीत में, कांग्रेस की पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने ग़रीबी हटाओ के नारे के साथ 1971 का चुनाव ज़रूर जीता था। लेकिन लगातार दो बार सत्ता में आने के बाद भी देश से ग़रीबी नहीं हटी क्योंकि ज्यादातर सरकारी योजनाएं आम ग़रीबों तक पहुंची ही नहीं। अतीत गवाह है विगत दावों और वादों की हक़ीक़त का। हालांकि यह देखना बाक़ी है कि किसने सबक लिया और कौन अपने वादों और दावों के प्रति गंभीर रहेगा।

कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे और समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव ने राजधानी लखनऊ में एक ज्वाइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान सपा प्रमुख ने दावा किया कि विपक्षी इंडिया' गठबंधन उत्तर प्रदेश में 79 लोकसभा सीटें जीतेगा, और सिर्फ एक सीट पर ही मुकाबला है। ऐसे अतिश्योक्तिपूर्ण बयान कभी सच होते हुए नहीं देखें गये हैं। निश्चित ही चुनाव परिणाम भविष्य के गर्भ में है एवं इसकी 4 जून को घोषणा सभी के लिये आश्चर्यकारी एवं चमत्कृत करने वाली होगी। देश का अगला प्रधानमंत्री चुनने के लिए चार चरणों की वोटिंग पूरी हो चुकी है। लोकसभा की कुल 543 सीटों में 380 सीटों के लिए वोट डाले चुके हैं। इन चार चरणों की वोटिंग के बाद हर राजनीतिक दल हवा का रुख भांपने को कोशिश कर रहा है लेकिन उनका यह आकलन सत्य से परे हो, बिलकुल ही आधारहीन हो, इसे लोकतंत्र के स्वास्थ्य के लिये अनुकूल नहीं माना जा सकता। यहां सत्ताधारी भाजपा से लेकर विपक्षी कांग्रेस सभी अपनी-अपनी जीत का दावा कर रहे हैं। भाजपा के वरिष्ठ नेता और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने इन चार चरणों में 270 सीटें जीतने का दावा करते हुए 400 का टार्गेट आसानी से पूरा करने की बात कही, वहीं कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने इंडिया गठबंधन की सरकार बनने का दावा किया है।

भाजपा ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में जो वायदें किये, उन्हें पूरा किया। 1990 के दशक और 21वीं शताब्दी के शुरुआती सालों में भारतीय जनता पार्टी अयोध्या में भव्य राम मंदिर बनाने के वादे के साथ सत्ता में आई एवं उसने मन्दिर बना दिया। भाजपा ने खुद को पार्टी विद डिफ़रेंस कहकर भी प्रचारित किया और जम्मू कश्मीर के विशेष दर्जे को ख़त्म करने का वादा भी किया। उसने वह भी पूरा किया। पिछले 10 वर्षों में देश ने विकास की जो रफ्तार पकड़ी है, उसे देश एवं दुनिया खुली आंखों से देख रही है। फिर भी चुनाव का समय मतदाताओं के जागने एवं विवेक से अपना मतदान करने की अपेक्षा करता है। लोकतंत्र में मतदाताओं की यह जिम्मेदारी बनती है कि वे चुनाव के अवसर पर राजनीतिक दलों की परख करें। झूठों एवं दुष्टों की एकजुटता ही जगत में कष्टों की वजह है एवं लोकतंत्र को कमजोर करने का बड़ा कारण है। जब तक ईमानदार एकजुट नहीं होंगे, तब तक जगत की कोई समस्या हल नहीं होगी। और ईमानदारों का एकजुट न होना दुष्टों एवं झूठों का असली बल है। कभी-कभी ऊंचा उठने, सत्ता पाने और भौतिक उपलब्धियों की महत्वाकांक्षा राष्ट्र को यह सोचने-समझने का मौका ही नहीं देती कि कुछ पाने के लिए उसने कितना खो दिया? और जब यह सोचने का मौका मिलता है तब पता चलता है कि वक्त बहुत आगे निकल गया और तब राष्ट्र अनिर्णय के ऊहापोह में दिग्भ्रमित हो जाता है। इस चुनाव को इस विम्बना से बचाना है।

जिले के पंजीकृत निजी नर्सिंग होम में अग्नि सुरक्षा की निगरानी रखने निर्देश

इन्दौर। कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने जिले में पंजीकृत निजी नर्सिंग होम में अपनी सुरक्षा के प्रावधानों की पुख्ता निगरानी के निर्देश मुख्य चिकित्सा स्वास्थ्य अधिकारी तथा डीन एमजीएम मेडिकल कॉलेज इंदौर को दिए हैं।

उल्लेखनीय है कि जिले के समस्त निजी अस्पताल/नर्सिंग होम का विनियमन मध्यप्रदेश उपचर्यागृह तथा रूजोपचार संबंधी स्थापनाएं (रजिस्ट्रीकरण तथा अनुज्ञापन) अधिनियम 1973 एवं नियम 1977 (यथासंशोधित) 2021 अन्तर्गत किया जाता है, जिसके लिए जिले के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी मनोनीत पर्यवेक्षी प्रधिकारी हैं।

ग्रीष्म कालीन माहों में तापमान के बढ़ने पर अस्पताल में अग्नि दुर्घटना की संभावना अधिक होती है। निजी अस्पतालों में अग्नि सुरक्षा से संबंधित नियमों का पालन करने हेतु नगरीय विकास एवं आवास विभागी द्वारा जारी फायर सेफ्टी प्रमाण-पत्र विषयक दिशा-निर्देश एवं ऊर्जा विभाग द्वारा जारी विद्युत सुरक्षा प्रमाण पत्र संबंधी दिशा-निर्देश संलग्न करते हुए मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारियों को निर्देशित किया गया है। कलेक्टर श्री आशीष सिंह द्वारा जारी निर्देश के मुताबिक जिले के निजी नर्सिंग होम के पास नगरीय विकास एवं आवास विभाग द्वारा जारी निर्देश अनुसार विस्तरीय क्षमता के अनुरूप फायर सेफ्टी प्रमाण पत्र एवं विद्युत सुरक्षा प्रमाण पत्र उपलब्ध होना अनिवार्य है। इस बावत आडिट किया जाकर सभी नर्सिंग होम एवं मेडिकल कालेज की आडिट रिपोर्ट प्रस्तुत करें। जिले के समस्त निजी नर्सिंग होम के नवीन पंजीयन/पंजीयन के नवीनीकरण के दौरान संदर्भित निर्देशों का पालन सुनिश्चित किया जाए ताकि म.प्र. उपचार्यगृह तथा रूजोपचार संबंधी स्थापनाएं (रजिस्ट्रीकरण तथा अनुज्ञापन) अधिनियम 1973 एवं नियम 1997 (यथासंशोधित) 2021 का अनुपालन हो। पंजीकृत नर्सिंग होम द्वारा उपलब्ध कराए गए दस्तावेजों का उचित परीक्षण किया जाए एवं निजी स्वास्थ्य संस्थानों का भौतिक निरीक्षण भी सुनिश्चित किया जाए।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी से अपेक्षित है कि अधीनस्थ जिले के पंजीकृत निजी नर्सिंग होम के पंजीयन की अवधि को नगरीय विकास एवं आवास विभाग द्वारा जारी फायर सेफ्टी प्रामण-पत्र एवं विद्युत सुरक्षा प्रमाण पत्र की वैधता में उल्लेखित तिथि से मिलान किया जाए।

निजी नर्सिंग होम के पंजीयन की अवधि के पूर्व यदि फायर सेफ्टी प्रमाण-पत्र की वैधता समाप्त होती हो तो समय रहते अस्पताल संचालक को उक्त प्रमाण-पत्र के नवीनीकरण हेतु निर्देशित किया जाए। इस संबंध में कमियां पाई जाने पर तत्काल सुधार हेतु प्रबंधन को प्रमाण पत्र देने हेतु निर्देशित करना सुनिश्चित करें।

समस्त निजी अस्पताल संचालकों द्वारा कार्यरत कर्मचारियों एवं चिकित्सकों की अग्नि सुरक्षा एवं आपातकालीन परिस्थिति में अग्नि सुरक्षा उपकराणों के उपयोग हेतु सतत् प्रशिक्षण एवं माक-ड्रिल सुनिश्चित किया जाए।

आपात परिस्थिति में भर्ती रोगियों के निकासी एवं आपात द्वार हेतु उचित दिशा-निर्देशकों का प्रदर्शन प्रमुखता से सुनिश्चित किया जाए। समस्त कर्मचारियों एवं चिकित्सकों की इस मानक प्रक्रियाओं के संबंध में उन्मुखीकरण सुनिश्चित किया जाए। इस हेतु स्थानीय स्तर पर मुख्य चिकित्सा एंव स्वास्थ्य अधिकारी इन्दौर के अतिरिक्त आयुक्त नगर निगम इन्दौर, अनुविभागीय दण्डाधिकारी मुख्य कार्यपालन अधिकारी नगरीय परिषद एवं जिले के विद्युत सुरक्षा अधिकारी समन्वय सुनिश्चित करते हुए उपरोक्त संबंध में 7 दिवस में की गई ऑडिट कार्यवाही से कलेक्टर को रिपोर्ट प्रस्तुत करना सुनिश्चित करेंगे।

मंत्री कैलाश विजयवर्गीय बोले-

इंदौर में 3 घंटे में लगाएंगे 51 लाख पेड़

इन्दौर। मध्यप्रदेश के नगरीय विकास एवं आवास तथा संसदीय कार्य मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने सोमवार को बड़ा ऐलान किया। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में इंदौर में 3 घंटे में 51 लाख पौधे लगाकर हम इतिहास रचेंगे। यही प्रकृति की सच्ची सेवा होगी। उन्होंने कहा, कुछ दशक पहले हमारी धरती हरी-भरी थी। समय पर बरसात, गर्मी और ठंड का अहसास कराती थी, लेकिन आज वृक्षों के आभूषण से धरती मां विहीन होती जा रही है। इसके चलते जलस्तर तेजी से नीचे जा रहा है।

इंदौरवासियों से की अपील

मंत्री विजयवर्गीय ने कहा कि हरियाली खत्म होने से भीषण गर्मी और अनेक लाइलाज बीमारियां फैलने लगी हैं। यदि हम अपने जीवन की खुशियां चाहते हैं तो पौधे लगाने के लिए आगे आना ही होगा। प्रकृति की सेवा के माध्यम से हम ईश्वर की आराधना करें। उन्होंने इंदौरवासियों से इस अभियान में अधिक से अधिक संख्या में भागीदारी करने की अपील की है।

सोशल मीडिया पर पोस्ट किया वीडियो

मंत्री विजयवर्गीय ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर वीडियो पोस्ट कर कहा, आज पूरा देश जल रहा है। इंदौर भी उस जलन से बचा नहीं है। शहर में 42 डिग्री तापमान है, पर इंदौर से 7 किलोमीटर दूर पितृ पर्वत पर यह तापमान कम है, क्योंकि यहां 3 लाख पेड़ हैं। प्रदूषण भी कम है। ऑक्सीजन बहुत पवित्र है और इसलिए यहां मजा भी आता है। हनुमान जी तो हैं ही... प्रकृति भी बहुत जरूरी है।

तीन घंटे में कीर्तिमान स्थापित करेंगे

उन्होंने कहा कि इंदौर जिस तरह जल रहा है, हम एक पौधा लगाकर उसकी आग को ठंडी कर सकते हैं। आने वाले दिनों में हम कुछ घंटों में 51 लाख पौधे लगाकर रिकॉर्ड बनाएंगे। इसलिए जुलाई के महीने में कमर कस लें, हर व्यक्ति कम से कम 10–10 पौधे लगाए। हम इंदौर में तीन घंटे में कीर्तिमान स्थापित करेंगे और आने वाली पीढ़ी के लिए अच्छा वातावरण देने का प्रयास करेंगे।

मतगणना गतिविधियों पर रखी जाएगी निगरानी

इंदौर। लोकसभा निर्वाचन 2024 के संबंध में भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री अनुपम राजन द्वारा मतगणना हेतु वीडियों/सीसीटीवी कवरेज के लिए दिशा-निर्देश जारी किये है। मतगणना स्थलों पर वीडियो-सीसीटीवी के माध्यम से मतगणना प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित की जा सकें। अपर कलेक्टर एवं उपजिला निर्वाचन अधिकारी राजेन्द्रसिंह रघुवंशी ने बताया है कि मतगणना 4 जून के संबंध में संपूर्ण मतगणना प्रकिया एवं ईव्हीएम के मुवमेन्ट संबंधी गतिविधियों की निगरानी हेतु प्रत्येक मतगणना कक्ष में अंदर की ओर 4 एवं मतगणना केन्द्र पर बाहर की ओर अधिकतम दस कैमरे तक लगाये जा सकेंगे। निर्देशों के अनुक्रम में प्रति विधानसभा 4 कैमरे लगाये जायेंगे। इंदौर जिले की सभी 9 विधानसभा क्षेत्रों के लिए 9बाय 4 कुल 36 कैमरों सहित पोस्टल बैलेट कक्ष क्रमांक 10 में 4 एवं मतगणना स्थल परिसर में 10 इस प्रकार कुल 50 सी.सी.टी.वी. कैमरे लगाये जाएंगे।

इंदौर जिले में पर्यावरण संरक्षण एवं सुधार के लिए वृक्षारोपण का महाभियान चलाया जाएगा

व्यापक तैयारियां प्रारंभ : कलेक्टर ने शासकीय विभागों को सौंपी जिम्मेदारी

इन्दौर। इंदौर जिले में पर्यावरण संरक्षण एवं सुधार के लिए वृक्षारोपण का महा अभियान चलाया जाएगा। इस अभियान की व्यापक तैयारियां प्रारंभ हो गई हैं। अभियान के अंतर्गत समाज के हर वर्ग की भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। साथ ही शासकीय विभागों की रिक्त भूमियों पर भी सघन वृक्षारोपण किया जाएगा। इसके लिए कलेक्टर श्री आशीष सिंह विभागों को जिम्मेदारी सौंपते हुए लक्ष्य भी निर्धारित किए हैं। कलेक्टर श्री आशीष सिंह की अध्यक्षता में आज यहां समय-सीमा के पत्रों के निराकरण (टी.एल.) की बैठक सम्पन्न हुयी। बैठक में एडीएम श्री रोशन राय, अपर कलेक्टर गौरव बेनल, श्रीमती सपना लोवंशी, श्रीमती निशा डामोर, श्री राजेन्द्र सिंह रघुवंशी सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे। जिले में आगामी दिनों में अधिक से अधिक वृक्षारोपण किये जाने के लिए कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने समस्त विभागों के अधिकारियों को रिक्त शासकीय/अशासकीय भूमि, ग्रीन बेल्ट की भूमि का सही आकलन किये जाने के निर्देश दिये हैं।

श्री सिंह ने कहा कि छोटी-छोटी रिक्त शासकीय भूमि पर वृक्षारोपण किये जाने से ये भूमि अतिक्रमण मुक्त रहेंगी। ग्रामीण क्षेत्रों में अधिक रिक्त भूमि होने से वृक्षारोपण बड़ी संख्या में हो सकेगा लेकिन शहरी क्षेत्र में रिक्त भूमि कम होने से छोटे-छोटे हिस्सों में वृक्षारोपण किया जा सकता है। उन्होंने प्रत्येक ग्राम पंचायत को निर्देश दिये कि बड़ी संख्या में वृक्षारोपण किये जाने हेतु ग्रामीण क्षेत्रों में सर्वे किया जाना सुनिश्चित करें। कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने विभागीय गतिविधियों विस्तार से समीक्षा की।

प्राइवेट स्कूल फीस घोटाले में 51 पर एफआईआर, 20 गिरफ्तार

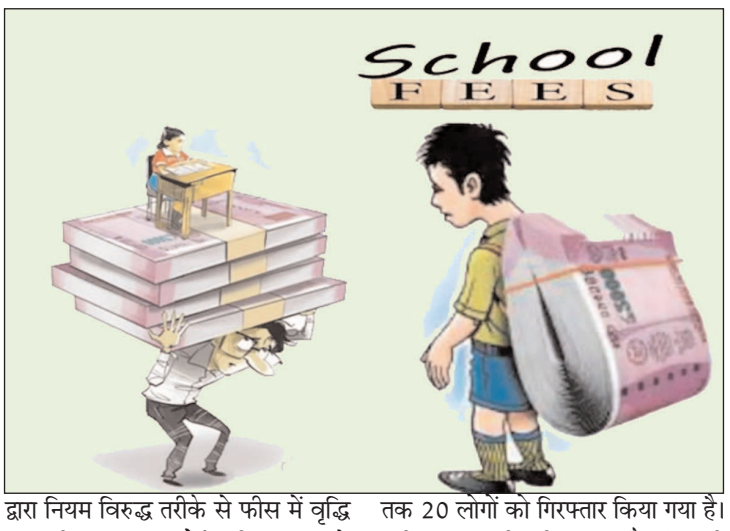

भोपाल। जबलपुर में स्कूलों के खिलाफ अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई, 100 करोड़ रुपए से ज्यादा का घोटाला, 20 गिरफ्तार, 31 फरार, कुछ ने देश छोड़ा। जबलपुर में 100 करोड़ रुपए के फीस घोटाला में 11 स्कूलों के खिलाफ अब तक कार्रवाई करते हुए पुलिस ने 20 लोगों को गिरफ्तार किया है। वहीं 31 लोग फरार है जिनकी तलाश में पुलिस की टीमें संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है। प्रदेश में अब तक की यह सबसे बड़ी कार्रवाई मानी जा रही है, जब इतना बड़ा घोटाला उजागर हुआ है। खबर तो यह है कि जिला प्रशासन व पुलिस की कार्रवाई का अंदेशा होने के चलते कुछ आरोपी तो देश छोड़कर भाग गए है।

जबलपुर कलेक्टर दीपक सक्सेना ने पिछले दिनों निजी स्कूलों के खिलाफ एक अभियान चलाया था, जिसके चलते स्कूलों के संबंध में आमजन से शिकायतें बुलवाई गई. जिसमें फीस, पुस्तक से लेकर ड्रेस के मामले में मिलीभगत किए जाने की बात सामने आई. करीब 300 शिकायतें प्राप्त होने के बाद स्कूलों के खिलाफ जांच की कार्यवाही शुरु की गई. जिसमें यह बात सामने आई कि स्कूलों द्वारा नियम विरुद्ध तरीके से फीस में वृद्धि कर दी. जबकि कोई भी स्कूल में सुविधाओं में वृद्धि किए बिना फीस नहीं बढ़ा सकता है। जांच के बाद जिला प्रशासन ने क्राइम ब्रांच के सहयोग से स्कूलों के खिलाफ 420 व आईएसबीएन उम्बर के कानून का उल्लंघन करने के आरोप में धारा 471 के तहत प्रकरण दर्ज किया. इसके बाद जिला प्रशासन व पुलिस अधिकारियों ने बड़े ही योजनाबद्ध तरीके से घरों में दबिश देकर स्कूलों के प्रिसिंपल से लेकर उच्च पदों पर बैठे लोगों को गिरफ्तार किया है। इस मामले में अब तक 20 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। वहीं 31 अभी भी फरार है, जिनकी तलाश में पुलिस की टीमें संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है।

अभी तक 81 करोड़ 30 लाख रुपए अतिरिक्त फीस वसूली गई-जिला प्रशासन ने जांच में पाया कि अभी तक इन स्कूलों ने 21 हजार बच्चों से 81 करोड़ 30 लाख रुपए अतिरिक्त फीस वसूल की है। कलेक्टर दीपक सक्सेना के अनुसार ऐसा अनुमान है कि 1037 निजी स्कूलों की जांच में 240 करोड़ रुपए अतिरिक्त फीस वसूल की गई है।

बुक सेलरों से इस वर्ष 4 करोड़ रुपए कमीशन लिया गया- कलेक्टर दीपक सक्सेना का कहना है कि वर्ष 2024 में स्कूलों ने किताबों में करीब चार करोड़ रुपए से ज्यादा का कमीशन लिया है, इन स्कूलों में 64 प्रतिशत नई किताबें लगाई गई है। इसके अलावा 89 प्रतिशत किताबें फर्जी आईएसबीएन नम्बर की चल रही थी. प्रशासनिक अधिकारियों का कहना है कि जो गैर कानूनी तरीके से फीस में वृद्धि की गई है, वह फीस यदि वापस की जाती है तो जांच से बचा जा सकता है।

इन्हे किया गया है गिरफ्तार--अजय उमेश कुमार जेम्स चेयरमैन क्राइस्ट चर्च स्कूल, नीलेश सिंग मैनेजर क्राइस्ट चर्च को-एड सालीवाड़ा. क्षितिज जैकब प्रिंसिपल क्राइस्ट चर्च को-एड सालीवाड़ा, आलोक इन्दुरख्या संचालक राधिका बुक पैलेस विजय नगर, राम इन्दुरख्या संचालक राधिका बुक पैलेस विजय नगर, मनमीत कोहली प्राचार्य स्टेमफील्ड इंटरनेशनल स्कूल, शाजी थॉमस प्राचार्य क्राइस्ट चर्च फॉर बॉयज एंड गर्ल्स (आईएसबी), एलएम साठे मैनेजर क्राइस्ट चर्च फॉर बॉयज एंड गर्ल्स (आईएसबी), सूर्यप्रकाश वर्मा संचालक चिल्ड्रन बुक हाउस नौदराब्रिज, शशांक श्रीवास्तव संचालक चिल्ड्रन बुक हाउस नौदराब्रिज, सीएस विश्वकर्मा सलाहकार चैतन्य टेक्नॉ स्कूल धनवंतरी नगर, सोमा जार्ज प्रिंसिपल सेंट एलायसिस स्कूल पोलीपाथस, भरतेश भारिल सचिव ज्ञानगंगा आर्किड इंटरनेशल स्कूल, दीपाली तिवारी प्राचार्य ज्ञानगंगा आर्किड इंटरनेशल स्कूल, चित्रांगी अय्यर सीईओ लिटिल वर्ल्ड स्कूल जबलपुर, सुबोध नेमा मैनेजर लिटिल वर्ल्ड स्कूल जबलपुर, परिधि भार्गव प्राचार्य लिटिल वर्ल्ड स्कूल जबलपुर, अतुल अनुपम इब्राहिम सदस्य क्राइस्ट चर्चा बॉयज सीनियर सेकेन्डरी स्कूल, एकता पीटर सदस्य क्राइस्ट चर्चा बॉयज सीनियर सेकेन्डरी स्कूल, ललित सोलोमन मैनेजर क्राइस्ट चर्च जबलपुर डायमेशन स्कूल।

इन स्कलों के खिलाफ दर्ज किया गया है प्रकरण-पुलिस ने क्राइस्ट चर्च सालीवाडा, ज्ञान गंगा ऑर्किड स्कूल, स्टेमफील्ड इंटरनेशनल स्कूल, लिटिल वार्ड स्कूल, चेतान्य टेक्नो स्कूल, सेंट अलोसियस स्कूल, सेट अलोसियायस घमापुर, सेट एलायसिस सदर, क्राइस्टचर्च घमापुर, क्राइस्ट चर्च बॉयज एंड गर्ल्स के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है।

प्रदेश सरकार पर कांग्रेस नेता अरुण यादव ने बड़ा हमला करते हुए कहा

सोम डिस्टलरीज से एमपीएसआईडीसी का 575 करोड़ एवं जीएसटी के 8 करोड़ न वसूलने पर सरकार की क्या सांठगांठ

भोपाल। आर्थिक संकट से जूझ रही प्रदेश सरकार पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अरुण यादव ने बड़ा हमला बोला है। अरुण यादव ने ट्वीट कर कहा है कि सोम डिस्टलरीज कंपनी से एमपीएसआईडीसी का 575 करोड़ एवं जीएसटी के 8 करोड़ न वसूलने पर सरकार की क्या सांठगांठ है। उन्होंने कहा है कि अन्नदाताओं एवं आमजन की हजारों रुपये के लिए कुर्की करने वाली सरकार का शराब कंपनी सोम डिस्टलरीज से क्या रिश्ता है, जो सरकार के करीब 583 करोड़ रुपये की वसूली नहीं कर रही है? अरुण यादव ने विगत दिनों सोम डिस्टलरीज के पार्टनर राधेश्याम सेन की आत्महत्या को लेकर कहा है कि सेन ने आत्महत्या से पहले कई गंभीर आरोप लगाए थे लेकिन कोई कार्यवाही क्यों नहीं हुई। उन्होंने कहा कि क्या अधिकारी-नेताओं की शराब कंपनी से कोई सांठगांठ है?

शराब माफिया सोम डिस्टलरीज एन्ड बेवरेज लिमिटेड के रसूख का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि बिना कर्ज चुकाए सोम डिस्टलरीज का इतना बड़ा कारोबार चल रहा है। मप्र स्टेट इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड के करीब 575 करोड रुपए सोम डिक्सलरी और इसके संचालक जगदीश अरोड़ा, अजय अरोड़ा पर बकाया है। लेकिन आर्थिक संकट से जूझने के बाद भी सरकार ने इस बकाया राशि की वसूली करने की जहमत नहीं उठाई। पिछले दिनों 10 मई को सोम डिस्टलरीज के संचालकों जगदीश अरोरा, अजय अरोरा और अनिल अरोरा पर उनके कर्मचारी और पार्टनर राधेश्याम सेन ने कई गंभीर आरोप लगाकर अपनी कार में आत्महत्या कर ली थी। आत्महत्या के पहले राधेश्याम सेन ने एक वीडियो बनाकर अपनी पत्नी को भेजा था, जिसमें सेन ने बताया कि सोम डिस्टलरीज के संचालक जगदीश अरोरा, अनिल अरोरा और अजय अरोरा ने साल 2003 में एक सेल कम्पनी में उन्हें पार्टनर बनाया था। इस सेल कम्पनी के जरिये जगदीश अरोरा ने करोड़ों के जीएसटी की चोरी की। एक तरफ जहां इस सेल कम्पनी के जरिये जीएसटी की चोरी जारी रही वहीं दूसरी तरफ राधेश्याम सेन पर करोड़ों का बकाया जीएसटी भरने का दबाव बढ़ता गया। लेकिन मृतक के आखिरी बयान वीडियो के तौर पर सामने आने के बाद भी अपने रसूख के चलते जगदीश अरोरा, अजय अरोरा और अनिल अरोरा पुलिस के शिकंजे से दूर हैं। अरोरा बंधू पहले भी कई मामलों में बड़ी चालाकी से कानून के शिकंजे से बचते रहे हैं। फिर चाहे वो कोरोना के वक्त सेनिटाइजर निर्माण में करोड़ो की जीएसटी चोरी का मामला हो या मप्र-छग में अवैध शराब की तस्करी का मामला हो या एक्सपायरी शराब का मामला हो। हर बार कागजों पर अपने कर्मचारियों को संचालक बनाकर कानून के शिकंजे से ये बड़े सरगना बच निकलते हैं।

ब्लैकलिस्ट के बावजूद कंपनी का लाइसेंस रिन्यू–देपालपुर सत्र न्यायालय से कंपनी के संचालकों को सजा होने के बावजूद ना तो कंपनी की कुर्की की गई और ना नहीं इसे ब्लैकलिस्ट किया गया। इतना ही नहीं आबकारी आयुक्त ने कंपनी को एक कारण बताओ नोटिस भी जारी किया था। लेकिन नोटिस का जवाब न देने के बावजूद कंपनी का लाइसेंस रिन्यू कर दिया गया। फर्जी दस्तावेजों के आधार पर शराब का अवैध परिवहन करते आबकारी विभाग के सोम डिस्टलरीज के कर्मचारियों को हिरासत में लिए था। मामले में सोम डिस्टलरीज के संचालकों को भी आरोपी बनाया गया था। जिसमें देपालपुर सत्र न्यायालय ने सभी को दोषी पाते हुए सजा भी सुनाई थी।

शहर में कहीं भी कचरा जलाया गया तो दरोगा व सहायक स्वास्थ्य अधिकारी जिम्मेदार होंगे

भोपाल।निगम आयुक्त हरेन्द्र नारायन ने शहर के विभिन्न क्षेत्रों में साफ-सफाई एवं अन्य जनसुविधाओं का निरीक्षण किया और वी.सी. के माध्यम से संबंधित अधिकारियों से चर्चा की तथा दिशा-निर्देश भी दिए। निगम आयुक्त नारायन ने बाग मुगालिया में खाली प्लाटों पर गंदगी पाए जाने पर संबंधित भूस्वामी के विरूद्ध कार्यवाही करने, खुले में मांस-मटन का विक्रय करने वालों व बिना अनुमति विज्ञापन बोर्ड लगाने वालों के विरूद्ध सख्ती से कार्यवाही करने के निर्देश दिए। निगम आयुक्त श्री नारायन ने क्षेत्र में समुचित ढंग से साफ-सफाई न कराने, साईड वर्ज ग्रीन बेल्ट में गंदगी पाए जाने तथा उद्यानिकी की समुचित देखभाल न करने पर वार्ड 53 के दरोगा, जोन क्र. 11 के प्रभारी सहायक स्वास्थ्य अधिकारी एवं उद्यान विभाग के प्रभारी सहायक उद्यान अधीक्षक को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। निगम आयुक्त श्री नारायन ने निर्देशित किया कि शहर में कहीं भी कचरा न जलाया जाए और यदि कचरा जलते पाया जाता है तो संबंधित क्षेत्र के दरोगा व सहायक स्वास्थ्य अधिकारी जिम्मेदार होंगे और उनके विरूद्ध सख्त कार्यवाही की जाएगी। निगम आयुक्त ने होशंगाबाद रोड पर साईड वर्ज के ग्रीन बेल्ट में विज्ञापन बोर्ड लगाकर हरियाली को नष्ट करने पर नाराजगी व्यक्त की और विज्ञापन बोर्ड हटाने तथा जुर्माना करने के निर्देश दिए। निगम आयुक्त के निर्देश पर निगम अमले ने अवैध रूप से विज्ञापन बोर्ड लगाने पर सागर मल्टीस्पेशयाल्टी के विरूद्ध कार्यवाही करते हुए 10 बोर्ड हटाकर 20 हजार रुपये का जुर्माना भी वसूल किया।

रेत उत्खनन में अवैध रूप से लगी मशीनों को तत्काल जप्त किया जाए-मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री ने की संभागीय बैठकों में हुए निर्णयों के क्रियान्वयन की समीक्षा

प्रत्येक चार माह में क्षेत्रीय स्तर पर इन्वेस्टर समिट आयोजित की जाएं

प्रदेश में नए रेल रूट और एक्सप्रेस-वे के लिए प्रस्ताव तैयार करें

भोपाल।मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है किप्रदेश में रेत उत्खनन नियमानुसार हो, उत्खनन में अवैध रूप से लगाई गई मशीनों को तत्काल जप्त किया जाएं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने यह निर्देश मंत्रालय में हुई उच्च स्तरीय बैठक में दिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव संभागस्तरीय समीक्षा बैठक में हुए निर्णयों के पालन की समीक्षा कर रहे थे। बैठक में मुख्य सचिव श्रीमती वीरा राणा, अपर सचिव सामान्य प्रशासन विनोद कुमार, जे.एन कंसोटिया, राजेश राजौरा मनु श्रीवास्तव, अजीत केसरी, मलय श्रीवास्तव, के.सी. गुप्ता उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रत्येक चार माह में प्रदेश में क्षेत्रीय स्तर पर इन्वेस्टर समिट आयोजित की जाएं। उन्होंने उज्जैन में हुई समिट के बाद जबलपुर प्रस्तावित इन्वेस्टर समिट की तैयारियों की जानकारी प्राप्त की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि संभागीय बैठकों के परिणाम स्वरूप हुए विकास कार्यों तथा अन्य जनकल्याणकारी गतिविधियों पर केंद्रित संभाग स्तरीय बुकलेट प्रकाशित कराई जाए। बैठक में इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर, नर्मदापुरम्, रीवा और उज्जैन संभाग की बैठक में लिए गए निर्णय के क्रियांवयन पर चर्चा हुई।

आम आदमी को राहत और विकास को गति देगा जिलों और संभाग की सीमाओं का पुनर्निधारण-मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आम आदमी को राहत, प्रदेश में विकास की प्रक्रिया को गति देने, जनसामान्य की समस्याओं को कम करने, प्रशासनिक और विभागीय दक्षता व क्षमता बढ़ाने के उद्देश्य से तहसील, विकासखंड, जिलों और संभाग की सीमाओं का पुर्ननिर्धारण किया जाना है। इस प्रक्रिया में जन भावनाओं और जनप्रतिनिधियों के विचारों को अवश्य शामिल किया जाए। दूरस्थ ग्रामों को निकटतम् जिला मुख्यालयों से जोड़ने, पुलिस कमिश्नरेट व जिला कलेक्टर की व्यवस्था में समन्वय, बड़े शहरों में मेट्रोपॉलिटन सिस्टम के प्रस्तावित क्रियान्वयन को भी इस प्रक्रिया में ध्यान में रखा जाए।

प्रत्येक जिले में स्टेडियम विकसित हो-मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में चल रही रेल परियोजनाएं समय-सीमा में पूर्ण हों, इस उद्देश्य से राज्य सरकार के विभाग रेलवे को हर संभव सहयोग प्रदान करें। प्रदेश में नए रेल रूट विकसित करने के प्रस्ताव भी तैयार किए जाएं। उन्होंने कहा कि प्रदेश के दूरस्थ अंचलों को बड़े शहरों से जोड़ने, परस्पर दूरी कम करने व तेज गति से विकास के लिए नए एक्सप्रेस-वे की कार्य योजना बनाई जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में महाविद्यालयों के समायोजन की आवश्यकता है, जहां मांग हो और पर्याप्त विद्यार्थी उपलब्ध हों, वहीं महाविद्यालय संचालित किए जाएं। आसपास के क्षेत्र के विद्यार्थियों को महाविद्यालय आने-जाने के लिए वाहन सुविधा उपलब्ध कराई जा सकती है। उन्होंने प्रत्येक जिले में छोटा स्टेडियम विकसित करने के निर्देश भी दिए। डॉ. यादव ने कहा कि इन स्टेडियमों का उपयोग आवश्यकता होने पर हेलीपैड के रूप में भी किया जा सकेगा।

वाराणसी-मुंबई कॉरिडोर के लिए बनाया जा रहा है लैंड बैंक-मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शिवपुरी मेडिकल कॉलेज निर्माण की प्रगति, प्रदेश से निकलने वाले वाराणसी-मुंबई कॉरिडोर के लिए संबंधित जिलों में लैंड बैंक बनाने और भूमि की उर्वरा शक्ति को सुरक्षित रखने के उद्देश्य से फसल चक्र को बनाए रखने के लिए चलाए जा रहे जन-जागृति अभियान के संबंध में की गई कार्रवाई के बारे में जानकारी प्राप्त की। उज्जैन और इंदौर के बीच विकसित होगा लॉजिस्टिक हब तथा वंडर एंटरटेनमेंट पार्क-बैठक में जानकारी दी गई कि संभाग स्तरीय बैठकों के परिणाम स्वरूप तहसील व जिला स्तर पर जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों के बीच बेहतर समन्वय विकसित करने में मदद मिली है। उज्जैन और इंदौर के बीच विकसित होने वाले लॉजिस्टिक हब तथा वंडर एंटरटेनमेंट पार्क के लिए भूमि चिन्हित कर ली गई है। शिवपुरी की सीवर लाइन स्वीकृत हो गई है। गुना रिंग रोड, अशोक नगर की पेयजल समस्या के समाधान सहित संभागीय बैठकों के परिणाम स्वरूप जिलों में समय सीमाओं में हुए विकास कार्यों व जन कल्याणकारी गतिविधियों की जानकारी दी गई।

बैठक में प्रमुख सचिव गृह संजय दुबे, प्रमुख सचिव नगरीय विकास एवं आवास नीरज मंडलोई, प्रमुख सचिव सामान्य प्रशासन मनीष रस्तोगी, प्रमुख सचिव लोक निर्माण डीपी आहूजा, प्रमुख सचिव वित्त मनीष सिंह, प्रमुख सचिव मुख्यमंत्री राघवेन्द्रकुमार सिंह, प्रमुख सचिव जनजातीय कार्य विभाग डॉ. ई. रमेश कुमार तथा अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

लेवल ऑफ अलर्टनेस बनाये रखें

मतगणना स्थल पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करें-अनुपम राजन

भोपाल।प्रदेश में चार चरणों में लोकसभा निर्वाचन 2024 की मतदान प्रक्रिया संपन्न हो चुकी है। अब सभी चार चरणों की मतगणना आगामी मंगलवार 4 जून को होगी। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी अनुपम राजन ने मंगलवार को प्रदेश के सभी 29 लोकसभा संसदीय क्षेत्रों के रिटर्निंग अधिकारियों, सहायक रिटर्निंग अधिकारियों तथा कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग कर उन्हें मतगणना से जुड़ी सभी तैयारियों के संबंध में निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी हाई लेवल ऑफ अलर्टनेस बनाये रखें और मतगणना स्थल पर सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम करें।

श्री राजन ने प्रदेश में चारों चरणों की शांतिपूर्ण तरीके से मतदान प्रक्रिया संपन्न होने पर सभी अधिकारियों-कर्मचारियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि मतगणना स्थल पर सभी जरूरी व्यवस्थाएं और संसाधन उपलब्ध रहें। तेज गर्मी को देखते हुए मतगणना स्थल पर ठंडा पानी, कूलर, पंखे, मेडिकल किट, एम्बुलेंस, अग्नि शमन यंत्र, फायर ब्रिगेड सहित अन्य सभी जरूरी व्यवस्थाएं कर लें। मतगणना स्थल पर बिजली की सतत् आपूर्ति सुनिश्चित करें। पावर बैक-अप प्लान और जनरेटर आदि की व्यवस्था भी चालू हालत में तैयार रखें। स्ट्रांग रूम से मतगणना स्थल तक ईवीएम, वीवीपैट मशीनों की निगरानी के लिये एक राजपत्रित अधिकारी की तैनाती करें। मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय राजनैतिक दलों को सूचित करें। मतगणना से एक दिन पहले अपनी तैयारियों की जानकारी देने के लिये मीडिया ब्रीफिंग भी कर लें।

मतगणना स्थल पर मोबाइल फोन प्रतिबंधित रहेगा-मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री राजन ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग की गाइड लाइन के अनुसार मतगणना स्थल पर मोबाइल फोन ले जाना प्रतिबंधित रहेगा। मीडियाकर्मी भी सिर्फ मीडिया सेंटर तक ही मोबाइल ले जा सकेंगे। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री राजन ने सभी रिटर्निंग अधिकारियों तथा कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारियों से कहा कि मतगणना कर्मियों को दिया जा रहा गणना कार्य का प्रशिक्षण 31 मई तक पूरा कर लें। गणना कर्मियों को अच्छी तरह से प्रशिक्षित करें, कि गणना करते वक्त उन्हें सभी प्रोटोकॉल्स का अक्षरशः पालन करना है।

यहां लगाई जाएंगी सबसे अधिक 28-28 टेबलें-लोकसभा निर्वाचन 2024 अंतर्गत चार जून को होने वाली मतगणना के दौरान सबसे अधिक टेबलें लोकसभा संसदीय क्षेत्र बालाघाट के अंतर्गत आने वाले विधानसभा क्षेत्र सिवनी, मंडला लोकसभा के विधानसभा क्षेत्र केवलारी, लखनादौन और विदिशा लोकसभा क्षेत्र अंतर्गत आने वाले विधानसभा क्षेत्र बुदनी में लगाई जाएंगी। यहां पर क्रमशः 28-28 टेबलें लगाई जाएंगी।

सबसे अधिक 24 राउंड की पवई विधानसभा में होगी मतों की गिनती-लोकसभा क्षेत्र खजुराहो अंतर्गत पन्ना जिले की पवई विधानसभा में सबसे अधिक 24 राउंड में मतों की गिनती पूरी होगी। यहां 14 टेबलें लगाई जाएंगी।

कांग्रेस पार्टी छोड़ने वालों को अब भाजपा देगी अपनापन, जोड़ेंगे पार्टी की मुख्यधारा से

भोपाल । लोकसभा चुनाव से पहले और चुनाव के दौरान कांग्रेस को पीठ दिखाने वाले दगाबाज नेताओं को अब भाजपा अपनापन देने पर विचार कर रही है। पार्टी की मुख्यधारा से जोडने के लिए अब इन्हें हर बैठक और गतिविधि से जोड़ा जाएगा। इनमें से कुछ नेताओं को संगठन में बड़ी जिम्मेदारी भी दी जा सकती है। चुनावी नतीजे आने के बाद इस प्रक्रिया पर काम शुरू किया जाएगा। लेकिन प्रदेश की इस सियासी गतिविधि पर पूरी तरह केंद्रीय नेतृत्व का फैसला ही काम करेगा। गौरतलब है कि इससे पहले कांग्रेस के हाथ से सरकार खींच ले जाने के अगुआ बने ज्योतिरादित्य सिंधिया को भाजपा पद और कद से नवाज चुकी है। भाजपा ने उन्हें राज्यसभा के रास्ते केंद्र सरकार का सदस्य भी बनाया और इस सरकार में महत्वपूर्ण विभाग का मंत्री भी बनाया गया। इस लोकसभा चुनाव में सिंधिया को मैदान दिया है। उम्मीद की जा रही है कि इस चुनाव में जीत के बाद उन्हें पहले से ज्यादा मजबूत जिम्मेदारी सौंपी जा सकती है।

बड़ी संख्या में कांग्रेस आए भाजपा में-लोकसभा चुनाव के दौरान तेजी से चले घटनाक्रम में बड़ी तादाद में कांग्रेस की टूट के हालात बने थे। भाजपा और कांग्रेस इस पलायन को लेकर अलग अलग आंकड़े पेश करते रहे हैं। लेकिन पलायन के बाद नई पार्टी और नए लोगों के साथ जा बैठे पुराने पूर्व कांग्रेसियों को अब अपने वजूद पर संकट नजर आने लगा है। भाजपा नेतृत्व ने नई आमद की इसी बेचैनी को भांपते हुए नई रणनीति बनाई है। इसके तहत अब कांग्रेस से आए नेताओं को भाजपा की मुख्यधारा से जोडने की तैयारी की जा रही है। सूत्रों का कहना है कि पार्टी ने जिला और मंडल अध्यक्षों को इस बारे में निर्देश दे दिए हैं।

पुष्पा के बाद अब दिखेगा श्रीवल्ली का टशन

मैत्री मूवी मेकर्स ने अल्लू अर्जुन और रश्मिका मंदाना स्टारर मच अवेटेड फिल्म पुष्पा 2: द रूल के दूसरे गाने की रिलीज से पहले ही बड़ा अपडेट दिया है। लगातार सुर्खियां बटोर रही फिल्म का नया गाना रिलीज किया जाएगा। फिल्म का पहला गाना 'पुष्पा पुष्पा' रिलीज के बाद से ही ट्रेंडिंग बना हुआ है और अब फिल्म का एक और नया गाना आने वाला है। जहां पहले गाने में अल्लू अर्जुन का स्वैग देखने को मिला, तो वहीं दूसरे गाने में रश्मिका मंदाना की टशन वाली अदाएं देखने को मिलेंगी, जिनमें वो अपनी तिरछी नजर और कटीली अदाओं से लोगों का दिल जीतेंगी। मेकर्स ने दूसरे गाने का टीजर पोस्टर जारी किया है। पोस्टर से पता चलता है कि यह 'सामी सामी' जैसा ही एक और जबरदस्त कैची ट्रैक होने वाला है। इसमें श्रीवल्ली के रूप में रश्मिका मंदाना भी नजर आएंगी। सोशल मीडिया पर इस बारे में पोस्ट करते हुए मेकर्स ने कैप्शन ने लिखा है, 'पुष्पा राज द्वारा पुष्पा पुष्पा के साथ टेकओवर करने के बाद अब वक्त है द कपल श्रीवल्ली और उसके सामी के लिए हम सभी को दीवाना बनाने का। फिल्म की बात करें तो 'पुष्पा 2: द रूल' का टीजर रिलीज हुआ और इसके कुछ दिनों बाद ही फिल्म का पहला गाना आ गया। गाने ने धूम मचा दी और अब दूसरे गाने का लोगों को इंतजार है। ये फिल्म एक और

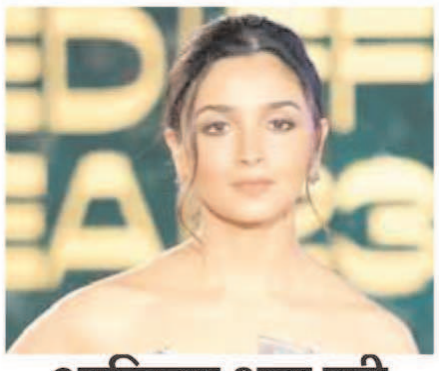

आलिया भट्ट की सिटिजनशिप पर छिड़ी डिबेट

महाराष्ट्र में 20 मई को लोकसभा चुनाव के पांचवे चरण के तहत मतदान हुए। लोकतंत्र के इस महापर्व के मौके पर आम लोगों के साथ ही कई सेलेब्स ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। शाहरुख खान, अक्षय कुमार से लेकर दीपिका पादुकोण, रणवीर सिंह, धर्मेंद्र, अमिताभ बच्चन सहित तमाम सितारे पोलिंग बूथ पर पहुंचे और अपने मताधिकार का इस्तेमाल किया। बॉलीवुड अभिनेता रणबीर कपूर, जो इन दिनों नितेश तिवारी की 'रामायण' की शूटिंग में व्यस्त हैं, ने भी मतदान किया, लेकिन उनके साथ पत्नी और बॉलीवुड अभिनेत्री आलिया भट्ट नजर नहीं आईं। जिसके बाद आलिया भट्ट की नागरिकता को लेकर एक बार फिर बहस छिड़ गई है।

बेहद खास हैं इन सेलेब्स के बच्चों का नाम, वेद पुराण से है कनेक्शन

बॉलीवुड सेलेब्स अपने बच्चे के नाम काफी सोच विचार करके रखते हैं। इन दिनों कई सेलेब्स ने अपने बच्चों के नाम वेद-शास्त्रों से चुनकर निकाले हैं। वहीं कई सितारों ने तो अपने बच्चों का संस्कृत में रखा है। आज हम आपको बताएंगे बॉलीवुड के पॉपुलर सेलेब्स ने अपने बच्चों के नाम क्या रखा है।

यामी गौतम

बॉलीवुड सेलेब्स यामी गौतम ने हाल ही में अपने बेटे का नाम वेदविद् रखा है। वेदविद् वेदों को जानने वाला कहा जाता है। वेद एक संस्कृत शब्द है जिसका अर्थ हिंदू धर्म में ज्ञान या पवित्र ग्रंथ है। यही कारण है कि यामी गौतम ने अपने बेटे का यह नाम चुना है।

अनुष्का शर्मा

विराट-अनुष्का ने अपने बेटे का नाम अकाय रखा है। यह परम ब्रह्म का नाम है क्योंकि उनका कोई शरीर नहीं है। वहीं, शिव सहस्त्रनाम लिंग पुराण के अनुसार अकाय भगवान शिव का भी एक नाम है। यही कारण है कि विराट-अनुष्का ने अपने बेटे का नाम अकाय रखा है।

आलिया भट्ट

आलिया भट्ट और रणबीर कपूर ने भी अपनी बेटी का नाम राहा रखा है। यह नाम आलिया की सास ने नीतू कपूर ने सिलेक्ट किया था। राहा का मीनिंग दिव्य पथ होता है और इसका संस्कृत में अर्थ कबीला होता है। आलिया ने खुद अपनी बेटी के नाम का मतलब बताया था।

प्रियंका चोपड़ा

प्रियंका चोपड़ा ने भी अपनी बेटी का नाम काफी खास रखा है। एक्ट्रेस ने अपनी बेटी का नाम मालती मैरी रखा है। बता दें कि मालती संस्कृत शब्द है जिसका अर्थ सुगंधित फूल होता है।

कभी हुक्का बार में करती थीं काम नोरा फतेही

नोरा फतेही बॉलीवुड की खूबसूरत एक्ट्रेस और डांसर है। अपनी दमदार एक्टिंग और डांस के जरिए अभिनेत्री ने बेहद कम समय में काफी नाम कमा लिया है। यही कारण है कि आज के समय नोरा को चाहने वाले लोग देश ही नहीं बल्कि विदेश में भी हैं। हालांकि क्या आप जानते हैं नोरा कभी हुक्का बार में काम किया करती थी। अभिनेत्री अपने करियर के शुरुआत में हुक्का बार में काम किया करती थी। यहां से आने वाली सैलरी से वह अपनी बुनियादी जरूरतों को पूरा करती थी। साथ ही खुद के लिए वह समय निकालकर डांस की प्रैक्टिस भी करती थी। नोरा फतेही ने एक इंटरव्यू के दौरान कहा था कि- मैं बाकी लड़कियों की तरह पार्टी नहीं करती थी ना ही बॉयफ्रेंड बनाकर घूमने की चाह थी मैं अकेले में रहकर भाषा सीखती थी। मुझे हिंदी नहीं आती थी जिसके कारण कई बार मुझे काफी ज्यादा दिक्कतों का सामना करना पड़ता था। उन्हें लोग यह भी कहते थे कि क्या तू अगली कैटरीना कैफ बनना चाहती हैं क्या। हालांकि मैंने कभी लोगों की बातों को नहीं सुना।

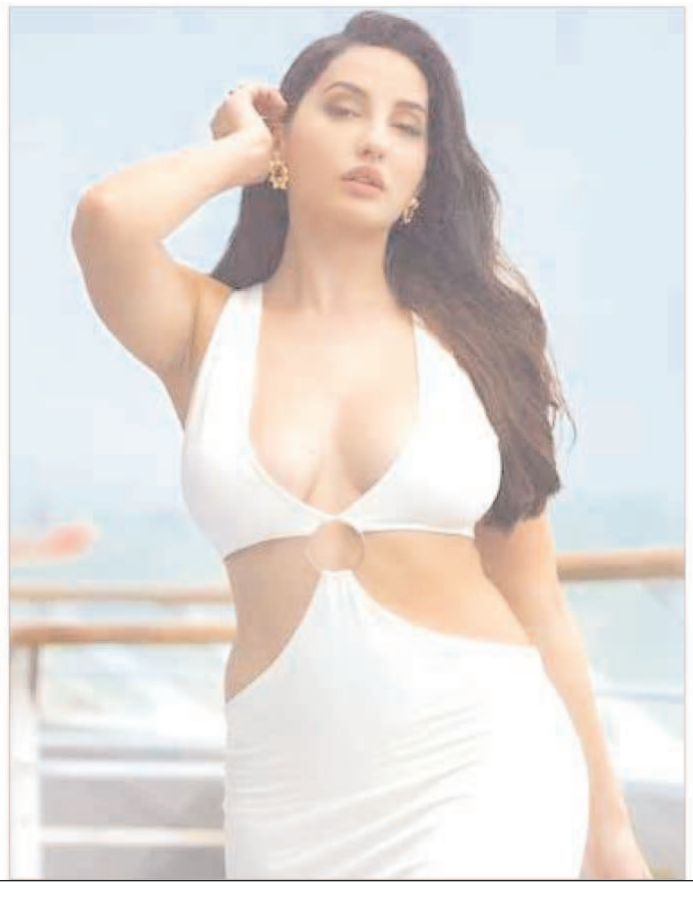

दिशा पाटनी को डांस सीखा चुकी हैं नोरा

खास बात यह है कि नोरा ने कभी डांस की ट्रेनिंग नहीं ली है। वह खुद से अभ्यास करती थी। आज के समय में उनकी डांस की तुलना माधुरी दीक्षित और मलाइका अरोड़ा जैसे बड़े दिग्गज सितारे से होती हैं। ऐसे में आप समझ गए होंगे कि नोरा का डांस लोगों को कितना ज्यादा पसंद आता है। एक जमाने में महज 5000 रुपये लेकर आई अब नोरा ने एक गाने पर डांस करने के करोड़ों रुपये चार्ज करती हैं। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, दिशा पाटनी उनकी स्टूडेंट रही हैं। कई सेलेब्स उनसे डांस सीखने आते हैं।

ऐसे स्टाइल करें पटियाला सूट के साथ मोजरी

महिलाओं के बीच जब फुटवियर की बात आती है तो इसके लिए अलग-अलग डिजाइन और वैरायटी सर्च की जाती है कुछ महिलाएं ऐसी होती हैं जो अपने कम्फर्टेबल के हिसाब से इन्हें सिलेक्ट करती हैं। अगर आप पटियाला सूट पहनना पसंद करती हैं तो इसके साथ मोजरी पेयर कर सकती हैं। यह आपको कम्फर्टेबल भी रखती हैं साथ ही स्टाइलिश भी दिखाती हैं।

वाइट लेदर एथेनिक मोजरी

अगर आपको वाइट कलर पसंद है तो आप इसमें भी मोजरी खरीद सकती हैं। जिसके लिए आप पर्ल डिजाइन या प्लेन को चूज कर सकती हैं। इस तरह के ऑप्शन आपको आसानी से ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों जगह मिल जाएंगे। जिन्हें आप डार्क कलर शेड के पटियाला सूट के साथ पेयर कर सकती हैं। ऐसे कलर आपके लुक को क्लासी बनाते हैं साथ ही आपको कम्फर्टेबल भी रखते हैं।

मिरर वर्क मोजरी

मिरर वर्क मोजरी आजकल काफी ट्रेंड में है। इन्हें महिलाएं शादी या फिर किसी इवेंट में पहनना ज्यादा पसंद करती हैं। ऐसे में आप चाहे तो इसके लिए अलग-अलग कलर

चूज कर सकती हैं। लेकिन इस बात का ध्यान रखें की वो कलर आपके सूट को मैच करें, क्योंकि इसके बाद ही आप अपने लुक को तैयार कर पाएगी।

मल्टीकलर मोजरी

मल्टीकलर मोजरी हर कलर के पटियाला सूट के साथ अच्छे से जाती है। आप भी इसे अपने आउटफिट के

साथ पेयर कर सकती है। इसके कलर ऑप्शन आपको मार्केट और ऑनलाइन मिल जाएगी। इसी के साथ आप चाहे तो इसमें थ्रेड वर्क मल्टीकलर मोजरी भी ट्राई कर सकती हैं वो भी आपको ट्रेडिशनल लुक देती हैं।

गोल्ड टोन्ड सीक्वेन मोजरी

गोल्ड टोन्ड सीक्वेन मोजरी जिन्हें आप पार्टी में पटियाला के साथ पेयर कर सकती हैं। यह काफी स्टाइलिश लगती हैं साथ ही किसी भी कलर आउटफिट के साथ पहनी जा सकती हैं। इसमें भी आप कॉन्ट्रा के हिसाब से गोल्ड टोन्ड चूज कर सकती हैं।

ऑफिस लुक के लिए ट्राई करें ये कुर्ती सेट दिखेंगी स्टाइलिस

ट्रेंडिंग महिलाएं अक्सर कपड़ों को लेकर कंफ्यूज रहती हैं, वो इस बात पर विचार करती रहती हैं कि कौन सा आउटफिट खरीदें जो ऑफिस के लिए परफेक्ट हो। अगर आपके दिमाग में भी यही बात चल रही है तो इसके लिए आप यहां बताए गए कुर्ती सेट को ट्राई कर सकती हैं। इसमें आप खूबसूरत भी लगेंगी

साथ ही कम्फर्टेबल भी फील करेंगी।

कुर्ती प्लाजो सेट

अगर आपको गर्मी में ढ़ीले कपड़े पहनना पसंद है तो ऐसे में आप ऑफिस के लिए कुर्ती प्लाजो सेट का ऑप्शन चूज कर सकती हैं। इस तरह के सूट काफी कंफर्टेबल होते हैं। कुर्ती प्लाजो सेट में भी आप स्लिट कुर्ती विद प्लाजो या फिर कुर्ती विद स्कर्ट प्लाजो को खरीद सकती हैं। ऑफिस के लिए कलर ऑप्शन आप डे के हिसाब से ले सकती हैं। इसके पैटर्न और गले के डिजाइन के हिसाब से आप ज्वेलरी, फुटवियर और हेयर को स्टाइल कर सकती हैं, और ऑफिस लुक के लिए तैयार हो सकती हैं।

अनारकली कुर्ती सेट

आजकल अनारकली कुर्ती का ट्रेंड काफी चल रहा है। बॉलीवुड एक्ट्रेस भी इस तरह के कुर्ती सेट सबसे ज्यादा पहनना पसंद करती हैं। ऐसे में आप भी अनारकली कुर्ती सेट को ऑफिस के लिए ट्राई कर सकती हैं।

पैंट कुर्ती सेट

अगर आपको सिंपल कपड़े पसंद है तो ऐसे में आप पैंट कुर्ती सेट का ऑप्शन अपने ऑफिस आउटिफट की लिस्ट में एड कर सकती हैं। इस तरह के सेट आप कहीं बाहर भी आसानी से पहनकर जा सकती हैं। आप कॉटन, सिल्क और जॉर्जेट कपड़े में इस तरह के कुर्ती सेट को खरीद सकती हैं। मार्केट में जाकर खरीदने से आपको इसमें डिजाइन ऑप्शन भी कई सारे मिल जाएंगे। कुर्ती सेट के साथ मैचिंग ज्वेलरी और फुटवियर आप अपनी पसंद से खरीद सकती हैं। ऑफिस के लिए और भी आउटफिट ऑप्शन आपको मिल जाएंगे।

इन हिल स्टेशन में करें समर हॉलिडे एन्जॉय

गर्मी की छुट्टियां हों तो हम सभी कहीं ना कहीं बाहर घूमने के लिए जाना ही चाहते हैं। अमूमन इस स्थिति में सबसे पहले हिल स्टेशन जाने का ख्याल ही आता है। अमूमन लोग भारत में गर्मी की छुट्टियों में शिमला, मनाली या

फिर ऊटी जाते हैं। लेकिन यह ऐसी जगहें हैं, जो खूबसूरत तो हैं, पर गर्मी की छुट्टियों पर यहां पर बहुत अधिक भीड़ होती है।

जिसके कारण आपके पैसे भी अधिक खर्च होते हैं, वहीं दूसरी ओर आपको उतना मजा भी नहीं आता है। इसलिए, यह जरूरी है कि आप सही डेस्टिनेशन का चयन करें। आपको शायद पता ना हो, लेकिन भारत में इन कुछ गिने चुने हिल स्टेशन के अलावा भी ऐसे कई हिल स्टेशन हैं, जिनके बारे में लोगों को जानकारी ही नहीं होती है। ऐसे में यहां पर लोग काफी कम संख्या में जाते हैं और आप बेहद आसानी से यहां पर समर वेकेशन एन्जॉय कर सकते हैं-

मशोबरा

हिमाचल प्रदेश में गर्मियों की छुट्टियां बिताने का अपना एक अलग ही आनंद है। यहां पर स्थित मशोबरा एक बेहद ही खूबसूरत स्थान है। यह विचित्र छोटा शहर शिमलासे हिंदुस्तान-तिब्बत रोड के जरिए जुड़ा हुआ है। बता दें कि इस रोड का निर्माण 1850 में लार्ड डलहौजी ने करवाया था।

अगर आप यहां पर हैं तो आपको देवदार, ओक, रोडोडेंड्रोन आदि के पेड़ देखने को मिलेंगे, जो आपकी आंखों को सुकून का अहसास करवाते हैं। यह एक ऐसी जगह है, जहां पर आने वाला व्यक्ति कुछ दिन और रूकने की इच्छा करता है।

लंढौर

लंढौर उत्तराखंड में स्थित है और यह मसूरी से करीबन 6 किमी की दूरी है। यह एक ऐसी जगह है, जो किसी भी तरह से ऐ हिल स्टेशन से कम नहीं है। यहां पर आकर आप ना केवल प्रकृति की खूबसूरती को निहार सकते हैं, बल्कि यहां का शांत वातावरण आपको अपने भीतर के कलाकार को तराशने का भी एक मौका प्रदान करेगा।

अरु वैली

अगर आप गर्मी की छुट्टियों में कुछ मजेदार करना चाहती हैं तो आपको कश्मीर में अरु घाटी जाने की प्लानिंग करनी चाहिए। इस हिल स्टेशन में आपको पहलगाम के समान एक गांव जैसा माहौल मिलता है, लेकिन यहां पर आप काफी कुछ अनुभव कर सकते हैं।

अराकू वैली

जब हिल स्टेशन घूमने की बात होती है तो आपको अराकू वैली को भी अपनी ट्रेवल बकिट लिस्ट में अवश्य शामिल करना चाहिए। अराकू घाटी आंध्र प्रदेश में स्थित है और यह हिल स्टेशन अपने कॉफी बागानों, झरनों और गुफाओं के लिए जाना जाता है। जब आप यहां जाते हैं तो सांगडा वॉटरफॉलसे लेकर बोर्रा गुफाएं, कटिकी वॉटरफॉल और कई अन्य खूबसूरत जगहों को देख सकते हैं।

एलएलबी की डिग्री के आवेदन क्या आए चकरघिन्नी हो गए डीएवीवी कर्मचारी

एक ही महिला अधिकारी के साइन से बन रही डिग्री, बाकी अधिकारियों की अनदेखी

इंदौर। देवी अहिल्या यूनिवर्सिटी हमेशा अपने किसी न किसी काम को लेकर चर्चाओं में रहती है। ताजा मामला यूनिवर्सिटी में एलएलबी की डिग्री के आवेदनों से संबंधित है। एक साथ 600 आवेदन लगने पर एलएलबी की डिग्री बनाने वाले, चैकिंग करने वाले से लेकर डिस्पैच करने वाले यूनिवर्सिटी कर्मचारी तक चकरघिन्नी हो गए हैं। अधिकारी और कर्मचारियों की हालत यह है कि वे किसी से सीधे मुंह बात तक नहीं कर रहे हैं। कई आवेदकों ने कर्मचारियों द्वारा अभद्रता और बदतमीजी किए जाने की बात बताई है। यहां तक कि कर्मचारियों ने तो कई महिला आवेदकों से आवेदन तक नहीं लिए और उन्हें अपने कार्यालय से बाहर जाने का कह दिया। इसके बाद परेशान होकर महिला आवेदकों ने किसी प्रकार की जुगाड़ लगाकर और गैर जरूरी पैसा देकर आवेदन फाइल करवाया।

जानकारी अनुसार वर्तमान में बार काउंसिल आफ इंडिया ने करीब 1500 वकीलों को नोटरी के लिए लाइसेंस प्रदान किए हैं। उनके दस्तावेजों के साथ एलएलबी की डिग्री भी लगाई जाना है। जैसे ही बार काउंसिल आफ इंडिया ने वकीलों को नोटरी के लाइसेंस के लिए सूची जारी की वकील जिन्होंने वर्षों पहले एलएलबी की पढ़ाई की और डिग्री नहीं निकलवाई सभी ने आवेदन फाइल किया। ऐसे में एक साथ ऑनलाइन आवेदन और उसके बाद की प्रक्रिया पूर्ण करने पर 600 आवेदन एक साथ यूनिवर्सिटी में फाइल हो गए। इन सभी आवेदनों में सिर्फ एलएलबी की डिग्री प्रदान किया जाना है। एक साथ इतनी बड़ी संख्या में डिग्री के आवेदन देख देवी अहिल्या यूनिवर्सिटी के अधिकारी और कर्मचारी तो मानों चकरघिन्नी बन गए और इसके बाद तो उन्होंने बदतमीजी तक शुरू कर दी। यहां तक की कर्मचारियों ने कई वकीलों तक से बदतमीजी कर दी। इसके बाद हंगामा की स्थिति भी बन गई, जिसे बहुत मुश्किल से संभाला गया।

इंदौर जिले के आसपास से आने वाले आवेदकों को भारी परेशानी-जहां तक बात इंदौर जिले के आवेदकों की है उन्हें भी परेशान किया जा रहा है वही यूनिवर्सिटी का क्षेत्र इंदौर जिले के अलावा भी संभाग के कई जिलों तक फैला हुआ है। ऐसे में अन्य जिलों से आने वाले आवेदक भीषण गर्मी में परेशान हो रहे हैं। इसके बाद भी यूनिवर्सिटी प्रशासन ऐसे आवेदकों की समस्या पर ध्यान नहीं दे रहा है।

सिर्फ डाक से भेज रहे डिग्री, पर्सनल लेने वालों को कर रहे इनकार

बताया जा रहा है की देवी अहिल्या यूनिवर्सिटी के कर्मचारी एलएलबी की डिग्री के आवेदकों को सीधे डाक से उनके घर भेज रहे हैं। जो आवेदक बाय हैंड डिग्री लेना चाहे उसे परेशान किया जा रहा है और डिग्री नहीं दी जा रही है, जबकि देखा जाए तो हाथों हाथ बाय हैंड डिग्री देने पर न केवल डाक खर्च बच रहा है बल्कि अन्य कागजी कार्रवाई में भी समय की बचत होगी। इस प्रकार न केवल अतिरिक्त लिखा पड़ी की बचत होगी बल्कि समय भी बचेगा और अतिरिक्त डिग्रियां बनाई जा सकेंगे लेकिन यूनिवर्सिटी कर्मचारी डाक से डिग्री भेज रहे हैं। यदि कोई आवेदक अपनी डिग्री के बारे में छानबीन भी करना चाहता है तो उसे भी परेशान कर बदतमीजी की जा रही है।

इंदौर निगम कार्यालय में कांग्रेसियों का प्रदर्शन, निगमायुक्त का केबिन घेरा

इंदौर। इंदौर नगर निगम में हुए करोड़ों के घोटाले को लेकर सोमवार को कांग्रेस ने प्रदर्शन किया। इस दौरान कई कांग्रेसी हाथों में चूड़ियां और चप्पल लेकर प्रदर्शन करने पहुंचे। सैकड़ों की संख्या में पहुंचे कांग्रेस कार्यकर्ता ने निगमायुक्त के केबिन का घेराव कर दिया और वहीं धरने पर बैठे गए। करीब आधे घंटे तक नारेबाजी की।

निगम नेता प्रतिपक्ष चिंटू चौकसे ने कहा कि हमारी मांग है कि निगम में हुए करोड़ों के घोटालों में शामिल सब इंजीनियर और जोनल अधिकारी को तुरंत बर्खास्त किया जाए। जिससे यह संदेश जाए की हम भ्रष्टाचारियों को माफ नहीं करेंगे। अगर हमारी मांगे नहीं मानी जाती तो बड़ा जंगी प्रदर्शन किया जाएगा। चौकसे ने कहा कि जनधन का हिसाब दो, घोटालों का जवाब दो नामक कैम्पेन भी मंगलवार से शुरू होगा। जिसमें रोजाना आम लोगों को साथ लेकर हस्ताक्षर अभियान, वाहनों पर स्टिकर लगाने के साथ अधिकारियों को सद्बुद्धि देने के लिए भजन-कीर्तन भी किए जाएंगे। चौकसे रोजाना शाम 5 बजे निगम स्थित अपने कार्यालय में घोटालों से संबंधित नए-नए राज खोलेंगे। उन्होंने कहा कि कुंदन नगर में सड़क बनाए बिना दो फाइलें पास करवा ली गई। ऐसे और भी कई मामले हैं, जिनमें करोड़ों का भ्रष्टाचार हुआ है। इन सबकी जानकारी हमारे माध्यम से दी जाएगी। नेता प्रतिपक्ष चिंटू चौकसे ने प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी के नेतृत्व में जून महीने में बड़ा प्रदर्शन करने की बात कही है। प्रदर्शन में पार्षद दल के साथ वरिष्ठ कांग्रेस नेता राजेश चौकसे, अश्विन जोशी, विनय बाकलीवाल, पार्षद राजू भदौरिया, दीपक पिंटू जोशी, अमन बजाज, पार्षद दीपू यादव, अनवर कादारी, अंसाफ अंसारी, रफीक खान, सादिक खान, अनवर दस्तक, महिला कांग्रेस अध्यक्ष सोनीला मीमरोट, रिटा डांगरे, पार्षद शेफु वर्मा, प्रवक्ता अमित चौरसिया, राजेश यादव, पुखराज राठौर, फूलसिंह कुंवाल, मनोहर रघुवंशी, शैलेश कैमरे, यतीन्द्र वर्मा सहित बढ़ी संख्या मे कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित मौजूद रहे।

आचार संहिता खत्म होने के बाद हो सकती है छात्र संघ चुनाव की हलचल

उच्च शिक्षा विभाग ने यूनिवर्सिटी और कॉलेज से मंगवाई जानकारी

इंदौर। 2017 से कॉलेज और यूनिवर्सिटी में बंद किए गए छात्र संघ चुनाव की हलचल इस वर्ष हो सकती है। बताया जा रहा है कि उच्च शिक्षा विभाग ने कॉलेज और यूनिवर्सिटी से इसके लिए जानकारी मंगवाई हैं। यदि सब कुछ ठीक रहा तो अगला सत्र अर्थात 2024 25 में कॉलेज और यूनिवर्सिटी में एक बार फिर छात्र संघ के चुनाव हो सकते हैं। बताया तो यह भी जा रहा है कि इसके लिए उच्च शिक्षा विभाग ने सत्र 2024-25 की गाइडलाइन तैयार करनी शुरू कर दी है। छात्र संघ चुनाव में होने वाले विवाद और उपद्रव के बाद सरकार ने इन पर रोक लगा दी थी। सूत्रों की मानें तो इस बार चुनाव होने की पूरी संभावना इसलिए भी है, क्योंकि मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव ने उच्च शिक्षा मंत्री रहते हुए प्रस्ताव तैयार कराया था और मुख्यमंत्री को भी भेजा था। विद्यार्थी परिषद के अनुसार इस संबंध में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने भी मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर प्रत्यक्ष प्रणाली से चुनाव कराने की मांग की है। छात्र संघ चुनाव प्रणाली में विश्वविद्यालय महाविद्यालय का प्रत्येक विद्यार्थी अपने होते है। मन से अध्यक्ष का चुनाव करता है। अप्रत्यक्ष प्रणाली में विद्यार्थी क्लास का प्रतिनिधि चुनता है और वह प्रतिनिधि अध्यक्ष का चुनाव करता है। छात्रसंघ चुनाव में मारपीट और उपद्रव अधिक होता है, इसलिए कई सालों से प्रत्यक्ष प्रणाली से चुनाव बंद हैं। परिषद का मानना है कि छात्रसंघ चुनाव होने से माहौल सकारात्मक बनता है। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पर अध्यक्ष का फोकस होता? है। विद्यार्थियों की समस्याओं को प्रत्यक्ष अध्यक्ष या प्रतिनिधि दूर करते हैं।इससे और युवाओं में नेतृत्व क्षमता भी विकसित होती है।उल्लेखनीय है कि 2017 के बाद प्रदेश में छात्रसंघ चुनाव नहीं हुए हैं। लोकसभा चुनाव की आचार संहिता खत्म होने के बाद यूनिवर्सिटी और कालेजों में इसकी तैयारियां शुरू होने की उम्मीद है।

हाई स्कूल-हायर सेकंडरी परीक्षा के 66 हजार छात्र करवाएंगे कॉपीराइट चेकिंग

माध्यमिक शिक्षा मंडल भोपाल में लगाए आवेदन

इंदौर। एमपी बोर्ड अर्थात माध्यमिक शिक्षा मंडल की हाई स्कूल और हायर सेकंडरी परीक्षाओं में शामिल करीब 66 हजार छात्रों ने पुनर्मूल्यांकन के आवेदन किया है। वहीं 18 हजार छात्रों ने अपनी उत्तरपुस्तिकाएं देखने के लिए मांगी है। छात्रों ने जिस क्रम में आवेदन किए हैं। उसी क्रम में उत्तरपुस्तिकाओं की जांच की जा रही है। छात्रों को आवेदन के लिए परीक्षा परिणाम घोषित होने के 15 दिन के अंदर का समय दिया गया था। अब एक माह का समय पूरा हो चुका है, इसलिए पुनर्मूल्यांकन कर सुधार कर अंकसूचियों को तैयार करने का कार्य तेजी से चल रहा है। जल्द ही अंकसूचियों में सुधार कर परिणाम जारी किया जाएगा।

जानकारी अनुसार एमपी बोर्ड की हाई स्कूल और हायर सेकंडरी परीक्षाओं का रिजल्ट 24 अप्रैल को घोषित किया गया। 10वीं में 58.10 प्रतिशत और 12वीं में में 64.49 प्रतिशत छात्र पास हुए। दोनों कक्षाओं में 17 लाख छात्रों ने परीक्षा दी थी। इसमें करीब 3.76 लाख विद्यार्थी फेल हुए, जबकि 1.88 लाख को पूरक मिला है। कम अंक मिलने से नाराज परिणाम घोषित होने के 15 दिन के अंदर करीब 66 हजार परीक्षार्थियों ने पुनर्मूल्यांकन के लिए आवेदन किए हैं। इसमें 12वीं के 47 हजार और 10वीं में 19 हजार से अधिक छात्रों ने आवेदन किया है। इनमें से ज्यादातर की शिकायत है कि उन्होंने परीक्षा में बेहतर प्रदर्शन किया है। फिर भी कुछ विषयों में अपेक्षा से कम अंक मिले हैं। वहीं परीक्षार्थी कम अंक देने की भी शिकायत कर रहे हैं।

मार्कशीट में सुधार करवाना है तो 90 दिन में करें आवेदन

छात्रों को जल्द ही अंकसूची का वितरण किया जाएगा। परीक्षार्थियों को दी जारही अंकसूचियों में किसी प्रकार की लिपिकीय त्रुटि होने पर परीक्षा परिणाम घोषित होने के दिनांक से तीन माह की अवधि तक उसे ठीक करने के लिए निःशुल्क व्यवस्था है। तीन माह में किसी प्रकार का सुधार न कराने वाले छात्रों को बाद में सुधार कराने के लिए शुल्क सहित आवेदन करना होगा। 10वीं और 12वीं बोर्ड परीक्षा के दौरान कुछ शिक्षक लापरवाही से उत्तरपुस्तिका जांच करते हैं। इससे छात्रों के नंबर कम-ज्यादा हो जाते हैं। पुनर्मूल्यांकन में विद्यार्थियों के नंबर बढ़ते हैं तो शिक्षकों पर प्रति नंबर बढने पर 100 रुपये का दंड लगाया जाएगा।

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी जयश्री जैन द्वारा अपनी दुनिया प्रिंटर्स 13, प्रेस कॉम्प्लेक्स ए.बी. रोड इंदौर से मुद्रित एवं 22, प्रेस काम्पलेक्स, प्रेस हाऊस, ए.बी. रोड इंदौर 452008 से प्रकाशित। प्रधान संपादक- डॉ. राजेश जैन, मो. 9425322301 (डाक पंजीयन MP/IDC/1462/2016-2019)